आतंकवाद एक समस्या

प्रीति D/o श्री रोहताश कुमार

निवास स्थान महम, जिला रोहतक

एम.ए. राजनीति विज्ञानं

C.B.L.University Bhiwani

शोध–आलेख सार

आतंकवाद एक प्रकार की हिसांत्मक गतिविधि है। जिसमे किसी खास संगठन द्वारा अपने धार्मिक, आर्थिक राजनैतिक एवं विचारात्मक लक्ष्यो की पूर्ति के लिए हिसां का व्यवस्थित उपयोग कर राजनीतिक और धार्मिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं विचारात्मक लक्ष्यों की पूर्ति के लिए हिसां का व्यवस्थित उपयोग कर राजनीतिक और धार्मिक समूहो यहाँ तक कि सेना, खुफिया संगठनो जैसे राज्य संस्थानो द्वारा आतकवाद को फैलाने का अभ्यास किया गया है। आतंकवाद का अर्थ है भय या डर लोगो में भय व खोफ पैदा कर हिसांत्मक गतिविधियों को अजांम देने वाले आतंकवादी कहलाते है। यह मानवता के लिए बहुत ही बड़ी समस्या बन चुका है। सरकार द्वारा इसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही ही जानी चाहिए।

मुख्य शब्द

आंतकवाद, हिसांत्मक गतिविधि, मानवता, खुफिया सगंठन

भूमिका

यदि हम भारत की विभिन्न समस्याओ पर विचार हरे तो हमे लगता है कि हमारा देश अनेक समस्याओं के चक्रव्यूह में घिरा हुआ है। एक ओर जहाँ भुखमरी, बेरोजगारी जातिवाद, भ्रष्टाचार आदि का प्रकोप है। वही आज जो हमारे देश में सबसे बडा प्रकोप है वह है आतंकवाद। आतंकवाद सभ्य समाज एवं मानवता कि लिए एक कंलक है। इसकी समस्या के समाधान के लिए सरकार तथा जनता को मिलकर आतंकवादी गतिविधियों को कुचलने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

पाकिस्तान दुनिया के उन देशो की सूची में सबसे ऊपर है जो आतंकवाद को बढावा दे रहा है। ऐसा नहीं है कि पाकिस्तान खुद आंतकवादियो से बचा है, बल्कि वहा आई. एस. आई. जैसे संगठन सिर उठाए हुए है जिन्हे सरकार कुछ नहीं कहती है।

शोध परविधि

इस शोध–पत्र के लिए शोध सामग्री अधिकांश रूप से द्वितीयक स्त्रोतो से ग्रहण की गई है। इसमें ऐतिहासिक विश्लेषण व वर्णनात्मक दृष्टिकोण को स्थान दिया गया है। शोध सामग्री प्रसिद्ध प्रसिद्ध पुस्तकों, पत्र–पत्रिकाओ व समाचार पत्रो से प्राप्त की गई है।

आतंकवादियो की पनाहगाह

आज पूरा विश्व आतंकवाद की चपेट में है। एक समय था जब ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और अमेरिका जैसी महाशक्तियो को आतंकवाद से मुक्त माना जाता था। लेकिन आज स्थिति बिल्कुल बदल गई है। आए दिन इन देशो में होने वाली आतंकवादी घटनाओ के बारे में सुनते रहते है। पाकिस्तान दुनिया का 5 वां सबसे खतरनाक देश बन गया है।

आतंकवाद के रूप

आतंकवाद एक शब्द मात्र नहीं है, यह मानव जाति के लिए दुनिया का सबसे बड़ा खतरा है। जिसे मानव ने खुद निर्मित किया है, कोई भी इन्सान या समूह मिलकर किसी जगह दंगेफसाद चोरी, बलात्कार, अपहरण, लड़ाई–झगड़ा बम विस्फोट करते है तो ये सब आतंकवाद की श्रेणी में आता है। 1967 में पहली बार भारत में नक्सलवादियों के रूप में बगाल के क्षेत्र में लोगो का उग्र रूप देखने को मिला। हमारे पड़ोसी देश और विदेशी सभी जगह की सरकारे इससे निपटने के लिए भरपूर प्रयास कर रही है। आतंकवाद से लोगो में खोफ पैदा हो जाते है वे अपने राज्य देश में असुरक्षित महसूस करते है।

पाकिस्तान एक आंतकी देश

दुनिया को पाकिस्तान की किसी बात पर विश्वास ही नही होता क्योकि वह कहता कुछ ओर है ओर करता कुछ और है कहने का अर्थ है कि उसकी कथनी और करनी में कोई मेल नहीं है पाकिस्तान कहता है कि वह आतंकवाद का जन्मदाता नहीं है। उसने आतकंवाद को पाला–पोसा नहीं है वह आतंकवाद का आउट सोर्सिग नहीं करता है। पाकिस्तान कहता है कि भारत, अफगानिस्तान बाग्लादेश और ईरान जैसे पंडोसी देशो में जारी और हिसंक रूप से सक्रिय आतंकवाद से उसका कोई लेना देना नहीं है। पाकिस्तान कहता है कि भारत द्वारा आंतकवादी ठहराए गए सईद कोई आतंकवादी नही है, बल्कि वह एक धर्म सुधारक है। आधुनिक इस्लामिक आतकंवाद हिसंक तौर पर जारी है। हाफिज सईद कोई धर्म सुधारक नही है, वह शुद्ध रूप से आतंकवादी है। वह आतंकवाद का कारखाना चलाता है और सरेआम भारत, अमेरिका व इजरायल को चौपट तबाह करने की धमकी देता है। सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि गुड और बेड आतंकवाद का

जन्मदाता भी पाकिस्तान ही है। तालिबान के एक धडे को पाकिस्तान गुड आतकंवाद कहता रहा है। और खुलेआम उसको सरंक्षण प्रदान करता रहा है। पाकिस्तान के गुड तालिबान ने ही अफगानिस्तान में आतंकवाद और हिंसा के कहर को बरपा था। पाकिस्तान दुनिया का सबसे खतरनाक, हिंसक और अविश्वसनीय देश है। पाकिस्तान ने सबसे बडा झूठ यह बोला कि उसने एक दरगाह पर हुए आतंकवादी हमलो में 100 से ज्यादा आतंकवादियो को मार गिराया है। पाकिस्तान के सिंध राज्य के सेहवान में सूफी संत लाल शाहबाद कलंदर की दरगाह पर हमला हुआ था। मानव बम बनकर आए आतंकवादी ने विस्फोट कर अपने आप को उड़ा दिया था जिसके कारण उस विस्फाट में करीब 100 से अधिक लोग मारे गए और बहुत सारे लोग घायल हो गए थे। यह आंतकवादी विस्फोट सावित करता था कि पाकिस्तान के अंदर आज भी आतंकवाद सरक्षित है जो हिसंक रूप से सक्रिय है। वह पाकिस्तान की सेना ही है जो आतंकवाद को पालती–पोषती है और सक्रिय रखती है। पाकिस्तान की सेना पर राजनीतिक इकाई का कोई नियंत्रण नही रहता है जबकि इसको नियंत्रण करने की जिम्मेदारी सरकार की ही है यह भी समझना होगा कि आतंकवादियो के सहार मात्र से ही आतकवाद खत्म नहीं हो जाता। इसके लिए शिक्षा के ढाँचे को सुधारना होगा। प्रगतिशील सोच के साथ–साथ, रोजगार के मौके पैदा करने होगे, न्याय व्यवस्था को मजबूत और दूरूस्त करना जरूरी है।

"न करे विवाद और न करना चाहिए प्रतिवाद

हिंसा का गैर कानूनी तरीका ही है, आतंकवाद

विश्व का आज तक सबसे बड़ा आतंकवादी हमला अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेटर का माना जाता है। 11 सितम्बर 2001 में, विश्व के सबसे शक्तिशाली देश के सबसे ऊँच ईमारत पर ओसामा बिन लादेन ने आतंकवादी हमला करवाया था, जिसके चलते लाखों का नुकसान हुआ और हजारों अरबो लोग मलबे के नीचे दब के मर गए अमेरिका ने बदला लेने के लिए पाकिस्तान में घुस गए और उसे मार डाला ये सब रिकॉर्ड हो रहा था, जिसे अमेरिका की सरकार लाइव बैठकर देख रही थी।

भारत पर आतकवादी हमले

2001 संसद हमला : भारत की राजधानी दिल्ली में आंतकी सगंठन जैश–ए–मोहम्मद और लश्कर–ए–तैयवा ने 13 दिसंबर 2001 को संसद पर बड़ा आत्मघती हमला किया था। इसमें बहुत सारे लोग मारे गए। वही आंतकवादियो द्वारा जम्मू कश्मीर विधानसभा पर हमला किया गया। अक्टूबर 2001 को भवन जैश–ए–मोहम्मद ने 3 आत्मघाती हमलवारो ने विधानसभा भवन पर बम हमला किया 24 सितंबर 2002 में

लश्कर और जैश ए मोहम्मद के 2 आतंकीयो ने अक्षरधाम मंदिर में घुसकर हमला कर दिया। इस हमले में 31 लोग मारे गए जबकि 80 घायल हो गए।

26/11 मुंबई आतंकी हमला

26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से आए 10 आत्मघाती हमलवारो ने सीरियल बम धमाको के अलावा कई जगहो पर अधाधुध फांयरिग की । आतकवादियो ने नरीमन हाऊस, ताज होटल और ओबेराय होटल को कब्जे में ले लिया इस हमले में करीब 180 लोग मारे गए 3

00 के करीब घायल हो गए। इस आतंकवादी कसाब का पकड़ लिया गया था, जिसे मुकदमें के बाद फांसी दे दी गई।

भारतीय सरकार द्वारा उठाए गए कदम

2016 में हुए उडी हमले के बाद भारत द्वारा की गई सर्जिकल स्ट्राइक और बालकोट हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कर दिया पाकिस्तान की ओर से होने वाले आतंकी हमले का भारत अब राजनीतिक और कुटनीतिक दायरे में रहकर ही जवाब नहीं देगा। अब आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति बदल गई है। वह अब हर ईट का जवाब पत्थर से देगा समूद अजहर आतंकी संगठन का सस्थापक है। भारत ने उसकी आतंकी गतिविधियों की वजह से उसे आतंवादियों की सूचि में रखा है पहले भारत पर आंतकी हमले के बाद धैर्य बनाए रखने का दबाव होता था वही अब उस पर आतंकी हमलो को रोकने के लिए दबाव दिया गया है। चीन पाकिस्तान का समर्थक है वह पाक के साथ अपने हितो को देखता है। अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रखे प्रस्ताव को चीन द्वारा अस्वीकार किया गया। इस प्रस्ताव का समर्थन करने वाले सभी देशों ने मसूह अजहर को अन्तर्राष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किया कर दिया है। वे सभी इस प्रस्ताव को सुरक्षा परिषद के समक्ष ले आए है। इस प्रस्ताव पर चीन ज्यादा कुपित हो गया है। ऐसा इसलिए, क्योकि सुरक्षा परिषद के द्वारा जब किसी देश को आंतकी घोषित किया जाता है तो उस आंतकी देश को न केवल तकनीकि करतूतो का बचाव करना पड़ता है। इससे अलग–अलग पडने के साथ ही अन्तर्राष्टीय शर्मिदंगी झेलने का जोखिम भी बढ जाता है।

खुफिया एजेंसियो के इनपुट पर सुरक्षा एजेसियों ने गणतंत्र दिवस से पहले जम्मू कश्मीर व दिल्ली समेत देश के अलग–अलग हिस्सों से 10 से ज्यादा आंतकियो को गिरफ्तार किया गया इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह जैश–ए–मोहम्मद ने ली थी। इस आतंकी हमले का जवाब भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हमले के 13 दिन बाद 26 जनवरी 2019 को वायुसेना द्वारा पाकिस्तान के बालकोट इलाके पर एयर स्ट्राइक की जिसमें पाकिस्तान ने एफ 16 इस्तेमाल किया जिसको भातीय वायुयान

मिगं–21 ने आसमान में ही अपनी जबरदस्त टक्कर से चूर कर दिया। पंरतु वायुयानों की इस टक्कर में भारतीय वायुयान मिगं के कमांडर वर्तमान अभिनंदन पैराशूट से आसमान से 25000 किलोमीटर की ऊँचाई से कूद गए। जिससे वह पाकिस्तानी इलाके में आ गिरे। भारत की चुनौती भरी मांग को स्वीकार करते हुए पाकिस्तान ने भारतीय कमांडर अभिनन्दन को शुक्रवार 1 मार्च 2019 को रात करीब 9:20 पर लौटाया गया।

पुलवामा हमले की जिम्मेदारी खुद जैश ए मुहम्मद ने ली थी यह भारतीय सुरक्षा बलो पर सबसे जघन्य हमला था। जिसने पूरे देश की चेतना पर करारी चोट की थी। समूया देश इससे आक्रोशित था।

आतंकवाद के मुख्य कारण

परमाणु हथियार मिसाइल, एटम बम गन बदूंक, बारूद आदि का अधिक मात्रा में निर्माण

- शिक्षा के प्रति जागरूता में कमी
- भुखमरी, बेरोजगारी
- धन की कमी और पैसे की लालसा
- राजनैतिक, सामाजिक, अर्थव्यवस्था
- गलत संगति
- शराब, अफीम जुएं की लत
- अलगाववाद, सम्प्रदायिकता, जातिवाद, भ्रष्टाचार, भाषा का मतभेत।
- हिदू–मुस्लाम के बीच दंगे

आतंकवाद की समस्या का समाधान

1. धर्म, जाति, क्षेत्र, भाषा के आधार पर होने वाले भेदभाव को खत्म किया जाए। तभी आंवकवाद पर लगाम जगाई जा सकती है
2. आतंकवाद को खत्म करने के लिए अच्छी शिक्षा ग्रहण करवाई जाए, अनुकूल शिक्षा से इन्सान की सोच बदलेगी उसकी सोचने समझने की शक्ति में बदलाव आऐगा और वो सही दिशा में सोचेगा।
3. आतंकवाद को समाप्त करने के लिए एक देश को दूसरे देश के साथ अच्छे सबंध स्थापित करने चाहिए आपसी समझौते द्वारा समस्या का समाधान करना चाहिए। क्योकि एक अकेला देश अपना विकास नही कर सकता उसको दूसरो के साथ सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक सबंध स्थापित करने चाहिए। क्योकि ये एक विश्वव्यापी समस्या है।

आतंकवाद एक कंलक

पाकिस्तान के कई राज्यो से मानवाधिकार हनन की बात उठती रही है। यह कहा जाता है कि आतंकवाद के नाम पर पाकिस्तान के विरोधियो की आवाज दबाई जा रही है।

पाकिस्तान के खिलाफ बोलने और सक्रिय रहने वालो की खुलेआम हज्याएँ हो रही है। खासकर बलूचिस्तान में मानवाधिकार हनन की घटनाएं काफी चिंताजनक रही है। पाकिस्तान की सप्रंभुता इस दौर में संकट में खंडी है, पाक से अलग होने के लिए कई सप्रभुताएं अभियानरत और सक्रिय है। गुलाम कश्मीर के अदंर भी पाक के खिलाफ आक्रोश पनपा है। गुलाम कश्मीर को आंतकवाद का कारखाना बना दिया है जिसके कारण लोग सड़को पर उतर आए है। आज की तारीख में गुलाम कश्मीर किसी भी स्थिति में पाकिस्तान की सप्रभुंता को ढोने के लिए तैयार नहीं है। पाकिस्तान एक हिसकं सहित आंतकवादी देश है जो अन्तर्राष्ट्रीय मानको को पूरा करने में कोई रूचि ही नहीं दिखाता है। पाकिस्तान पिछले 4 दशको से आतंकवादियो का गढ़ बना हुआ है। उसका सता अधिष्ठान पूरी तरह से आंतकवादी सजाल से मिला हुआ है। अमृतसर घोषणा पत्र में लश्करे तैयवा और जैशे मोहम्मद को मुख्य रूप से चिन्हित किया गया। ये दोनों जिहादी गुट पाकिस्तान की जमीन पर सक्रिय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कड़े शब्दों में कहा कि जो देश आतंकवादी गतिविधियों को प्रश्रय और बढावा देता है। उस पर भी लगाम कसनी होगी। भारत और अफगानिस्तान पाकिस्तान के रूख से परेशान है। व्यापार और आर्थिक विकास के मसले आंतकी बारूद में जल रहे है। भारतीय प्रधानमंत्री ने अन्तर्राष्टीय बिरादरी से अपील की है कि हमे हर हाल में आतंकवाद को खत्म करने की मुहिम को बल देना होगा

यू.एन.ओ. सम्मेलन

संयुक्त राष्ट्र में जैश ए मोहम्मद सरगना मसूद अजहर को सयुंक्त राष्ट्र में वैश्विक आतंकवादी घोषित करने की मागं में सफलता मिलने के बाद भारत ने अन्तर्राष्टीय आंतकवाद के मुदे पर लंबित वैश्विक सम्मेलन आयोजित कराने का आहान किया है। भारत ने यह मांग विभिन्न स्थानों पर हो रहे आतंकी हमलो के कारण की है। भारत ने इससे संबधित एक मसौदा दस्तावेज सयुंक्त राष्ट्र के बीच आतंकवाद की परिभाषा को लेकर एक राय न होने के कारण यह मसौदा लागू नहीं हो सका।

निष्कर्ष

आंतकवाद एक प्रकार की हिसांत्मक गतिविधि है। जिसमें किसी सगंठन द्वारा अपने आर्थिक, धार्मिक, राजनीतिक एवं विचारात्मक लक्ष्यो की पूर्ति के लिए अजांम दिया जाता है।

आज आतंकवाद सिर्फ भारत की ही समस्या नहीं है। यह हमारे पडोसी देश्ज्ञ और विदेश सभी जगहो पर भयानक बिमारी की तरह फैला है। सरकारे इससे निपटने के लिए भरपूर कोशिशो में लगी हुई है। पाकिस्तान दुनिया के उन देशो की सूचि में शीर्ष पर है जो आंतकवाद को बढावा दे रहे है। 2000 से 2019 के बीच में आतंकी घटनाओ में 10 हजार से ज्यादा लोगो की मृत्यु हुई। अंत आतंकवाद को खत्म करने के लिए लोगो में नैतिक शिक्षा और इंसानियत के प्रति प्रोत्साहन करने की जरूरत है। सख्त कानून के निर्माण के साथ–साथ आई टी क्षेत्रो से जुडी सस्थाओ द्वारा इंटरनेट विनियम के लिए कुछ निश्चित दिशा निर्देशो का पालन करने के भी जरूरत है।

- https://www.google.com
- https://hi.m.wikipeelia.org
- https://deepawali.co.in
- rispnse@jagran.com
- https://www.live hudustan.com>
- https://khabar.ndtv.com
- haribhoomi.com
- बरतरिया ज्ञानेन्द्र,(2016) आतंकवाद, संस्कृति भवन, 2322, लक्ष्मी नारायण गली पहाडगंव, नई दिल्ली –55 पृ॰– 14–17
- गुप्त, विष्णु, (2017), हरिभूमि, आंतकवाद रोहतक